



## पीएम मोदी का देश को 2400 करोड़ का रोजगार प्रोत्साहन, जम्मू-कश्मीर के नियोक्ताओं के खातों में ट्रांसफर हुए 25.42 करोड़

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना से जम्मू-कश्मीर में हजारों युवाओं को मिला लाभ।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना से जम्मू-कश्मीर में हजारों युवाओं को मिला लाभ।

पीएम मोदी ने ₹2,400 करोड़ के रोजगार प्रोत्साहन वितरित किए जम्मू-कश्मीर में ₹25 करोड़ से अधिक का वित्तीय हस्तांतरण हजारों युवा औपचारिक रोजगार प्रणाली से पहली बार जुड़े (जीएनएस)।

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' के तहत देशभर में लगभग 2,400 करोड़ रुपये के रोजगार प्रोत्साहन (इंसेंटिव) वितरित किए। इस ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत 15 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया गया, जबकि जम्मू-कश्मीर में भी हजारों युवाओं और नियोक्ताओं को औपचारिक रोजगार प्रणाली से जोड़ते हुए बड़ा वित्तीय हस्तांतरण किया गया।

इस कार्यक्रम को प्रदेश में चार जगहों पर आयोजित और प्रसारित किया गया,जिनमें जम्मू स्थित कन्वेंशन

सेंटर में सांसद जुगल किशोर शर्मा और सत शर्मा संग 600 के करीब प्रतिभागियों ने भाग लिया कार्यक्रम में 20 नए नियुक्त कर्मचारियों को रोजगार पत्र वितरित किए गए, जबकि सांबा में छह लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने वरुंअल माध्यम से कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक अवसर सिर्फ एक योजना के तहत वित्तीय लाभ वितरण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह जम्मू और कश्मीर की बदलाव की यात्रा का उत्सव है। यह उन सपनों, उम्मीदों और मौकों का उत्सव है जो हमारे युवाओं की जिंदगी को नई दिशा दे रहे हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि अगस्त 2019 से पहले जम्मू-कश्मीर में श्रमिकों को पूर्ण सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिलता था, लेकिन नवंबर 2019 में ईपीएफओ व्यवस्था लागू होने के बाद लाखों श्रमिक राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा ढांचे से जुड़े। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एक विकसित भारत के संकल्प को दर्शाती।

जहां औपचारिक रोजगार सामान्य हो, सामाजिक सुरक्षा हर नागरिक तक पहुंचे और हर युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' एक विकसित भारत बनाने के संकल्प को दर्शाती है। यह एक ऐसे भारत की परिकल्पना करती है जहां औपचारिक रोजगार सामान्य बात हो, सामाजिक सुरक्षा हर नागरिक तक पहुंचे और हर युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले।

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना दो प्रमुख पहलुओं पर काम करती है। पहला स्तंभ कर्मचारियों के लिए है। पहली बार औपचारिक अर्थव्यवस्था में आने वाले युवाओं को प्रत्यक्ष वित्तीय प्रोत्साहन देना, जिससे उन्हें संगठित क्षेत्र में बने रहने के लिए प्रेरणा मिले। दूसरा स्तंभ नियोक्ताओं, सहयोगी संस्थानों और उद्योगों के लिए है, जो अपने कार्यबल का विस्तार करते हैं और नए रोजगार सृजित करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब उद्योगों का विस्तार होता है, तो रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और समाज प्रगति करता है।



अनुमान है कि इन दोनों घटकों के माध्यम से अगले दो वर्षों में देशभर में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। यह पूरे भारत में लाखों परिवारों के जीवन में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। जम्मू-कश्मीर ने भी इस अवसर का प्रभावी रूप से लाभ उठाया है।

आज इस योजना के तहत 3,300 से अधिक प्रतिष्ठान पंजीकृत हैं, जिससे 22,500 से अधिक युवा पहली बार औपचारिक रोजगार प्रणाली से जुड़े हैं और 31,000 से अधिक नौकरी अवसर प्रोत्साहन के लिए पात्र हुए हैं, जिससे 53,000 से अधिक नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उपराज्यपाल ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ

अधिक का सीधा लाभ

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में योजना के तहत 1522 कर्मचारियों को कुल 74 लाख रुपए का प्रत्यक्ष लाभ मिला है। इसके अलावा 304 नियोक्ताओं के बैंक खातों में लगभग 25.42 करोड़ रुपए स्थानांतरित किए गए हैं। हजारों युवाओं को पहली बार औपचारिक रोजगार प्रणाली से जोड़ा गया है। यह कदम प्रदेश में औपचारिक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) भारत सरकार की एक प्रमुख रोजगार-आधारित प्रोत्साहन

(एम्प्लॉयमेंट-लैंकड इंसेंटिव) योजना है, जिसका उद्देश्य औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देना, संगठित कार्यबल में पहली बार प्रवेश करने वाले युवाओं को सहायता प्रदान करना और नियोक्ताओं को अधिक रोजगार सृजित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

इस योजना के तहत पहली बार नौकरी करने वाले पात्र कर्मचारियों को एक महीने के वेतन के बराबर राशि, अधिकतम 15,000 रुपये तक, प्रदान की जाती है। वहीं नियोक्ताओं को नए रोजगार सृजन के लिए दो वर्षों तक प्रोत्साहन दिया जाता है। विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र को अतिरिक्त दो वर्षों के लिए अधिक सहायता प्रदान

की जाती है, जिससे श्रम-प्रधान उद्योगों में निरंतर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलता है।

प्रधानमंत्री ने युवाओं को दिया संदेश

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना केवल एक रोजगार कार्यक्रम नहीं, बल्कि पहली नौकरी शुरू करने वाले युवाओं को सशक्त बनाने और उद्योग एवं कार्यबल के बीच मजबूत सेतु बनाने की राष्ट्रीय पहल है। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं की प्रतिभा और क्षमता को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिल रही है और सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हर युवा को अपनी क्षमता को सफलता में बदलने का अवसर मिले।

## तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों की जाएगी सदस्यता? स्पीकर ओम बिरला से मिले अभिषेक बनर्जी ने कर दी बड़ी मांग

(जीएनएस)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर जारी बगावत अब नए मोड़ पर पहुंच गई है। पार्टी के 20 सांसदों के कथित तौर पर नई पार्टी नेशनल कांग्रेस प्रोग्रेसिव इंडिया (NCPI) में शामिल होने के बाद टीएमसी नेतृत्व ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

इसी बीच छटउ के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने 19 जून को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर इन सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है।

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पार्टी छोड़कर दूसरी राजनीतिक पार्टी में शामिल होने वाले सांसदों ने दल-बदल विरोधी कानून का उल्लंघन किया है। उन्होंने स्पीकर को 20 अलग-अलग याचिकाएं सौंपते हुए इन सभी सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की।

'20 बागी सांसदों को अयोग्य घोषित करें' -अभिषेक बनर्जी तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और संसदीय दल के नेता अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की है। अभिषेक बनर्जी ने स्पीकर को कुल 20 अलग-अलग याचिकाएं सौंपी हैं, जिनमें इन सभी 20 बागी सांसदों को तत्काल प्रभाव से अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है।

अभिषेक बनर्जी ने बागी गुट द्वारा किए गए उठडक में विलय के दावे को पूरी तरह अवैध और असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा-"इन 20

बागी सांसदों ने सीधे तौर पर संविधान की 10वीं अनुसूची (Anti-Defection Law) / दलबदल विरोधी कानून) की धजियां उड़ाई हैं। बंगाल की जनता इस राजनीतिक धोखे के लिए इन्हें

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ सांसदों को केन्द्रीय जांच एजेंसियों (एक और उड़क) का डर दिखाया जा रहा है, जबकि कुछ अन्य को भारी-भरकम पैसों का लालच देकर तोड़ा



कभी माफ नहीं करेगी। किसी भी गुट के वैध विलय के लिए मूल पार्टी के विधायी दल में कम से कम दो-तिहाई बहुमत होना अनिवार्य है, जो इनके पास नहीं है। यह विलय पूरी तरह अमान्य है और इनकी संसद सदस्यता रद्द करने के लिए पर्याप्त मजबूत आधार है।"

अभिषेक बनर्जी का खुला चैलेंज

अभिषेक बनर्जी ने बेहद आक्रामक अंदाज में बागियों को चुनौती देते हुए कहा, "अगर इन बागी सांसदों में थोड़ी भी राजनीतिक ईमानदारी बची है, तो वे तुरंत अपने पदों से इस्तीफा दें। वे पहले टीएमसी छोड़ें और फिर किसी दूसरी पार्टी के टिकट पर जनता के बीच दोबारा चुनाव लड़कर जीत हासिल करके दिखाएं। अगर वे पार्टी की नीतियों से नाखुश हैं, तो उन्हें TMC के नाम पर मिले पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।"

गया है, जिसके पुख्ता सबूत उनके पास मौजूद हैं। इस पूरे मामले पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों पक्षों को सुनने की बात कही है और इस पर जल्द ही बड़ा फैसला आ सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी खारिज याचिका

इसी बीच राजनीतिक दलों में नेताओं के लगातार पार्टी बदलने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक जनहित याचिका भी चर्चा में रही। याचिका में मांग की गई थी कि नेताओं के दल-बदल और इस्तीफों की निष्पक्ष जांच के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि वह किस राज्य और किस पार्टी की बात कर रहे हैं।

जब याचिकाकर्ता ने विभिन्न राज्यों में नेताओं को धमकी और

लालच देकर पार्टी बदलवाने के आरोप लगाए, तो अदालत ने कहा कि याचिका ठोस तथ्यों और सबूतों के बिना दायर की गई है। अदालत ने टिप्पणी की कि याचिका अस्पष्ट, मनगढ़ंत और सामान्य आरोपों पर आधारित है, इसलिए इसमें हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता।

अब स्पीकर के फैसले पर टिकी नजरें, टीएमसी द्वारा 20 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग किए जाने के बाद अब सभी की निगाहें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के फैसले पर टिकी हैं।

चार धाम यात्रा में रिकॉर्ड भीड़! 61 दिन में पहुंचे 37 लाख श्रद्धालु, युवाओं में क्यों बढ़ रहा चार धाम का क्रेज



उत्तराखंड की पवित्र चार धाम यात्रा इस साल नए रिकॉर्ड की ओर तेजी से बढ़ती नजर आ रही है। देवभूमि में यात्रा शुरू हुए 61 दिन पूरे हो चुके हैं और श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि सिर्फ दो महीनों के भीतर ही यात्रियों की संख्या ने पिछले कई साल के आंकड़ों को चुनौती देना शुरू कर दिया है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 37 लाख से अधिक श्रद्धालु केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर चुके हैं।

देश के अलग-अलग राज्यों के अलावा विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु चार धाम पहुंच रहे हैं।

हरिद्वार जमीन घोटाला: धामी सरकार का बड़ा एक्शन, पूर्व नगर आयुक्त समेत कई अधिकारी नपे



भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति को और सख्त करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली उत्तराखंड सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। हरिद्वार नगर निगम जमीन खरीद घोटाले में सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोषियों पर शिकंजा कस दिया है। राज्य सरकार ने इस मामले में हरिद्वार के पूर्व नगर आयुक्त वरुण चौधरी की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उन्हें तत्काल सेवा से बर्खास्त करने की सिफारिश की है। वहीं, हरिद्वार के पूर्व जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह को भी सरकारी कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही का दोषी पाया गया है।

## टूट गई अमेरिका-ईरान की पीस डील? आखिरी मिनट पर कैंसिल हुई मीटिंग, दुनिया पर मंडराया खतरा

(जीएनएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच जंग रोकने के लिए हुए ऐतिहासिक पीस डील के बाद दोनों देशों के बीच शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाली पहली औपचारिक बातचीत अचानक रद्द हो गई। यह फैसला इतना आखिरी समय पर लिया गया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की टीम, उनके साथ जाने वाले पत्रकार और कई अधिकारी यात्रा की तैयारी पूरी कर चुके थे।

रिपोटर्स के मुताबिक लेबनान में जारी इजराइली सैन्य कार्रवाई को लेकर ईरान की आपत्तियों ने बातचीत में नया विवाद पैदा कर दिया है। इससे पीस प्रोसेस के भविष्य और समझौते के अगले चरण को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को

शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में रिजॉर्ट में ईरानी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करनी थी। लेकिन यात्रा अचानक रद्द कर दी गई। द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार फैसला इतना लोट लिया गया कि वेंस का स्टाफ और पत्रकारों का समूह एयरबेस तक पहुंच चुका था। दूसरी तरफ व्हाइट हाउस के कई अधिकारी और विदेशी मीडिया प्रतिनिधि पहले से स्विट्जरलैंड में मौजूद थे। अचानक हुए इस बदलाव ने दोनों देशों के बीच आगे की बातचीत को लेकर नई अटकलें शुरू कर दी हैं।

रिपोटर्स के मुताबिक बातचीत टलने की सबसे बड़ी वजह लेबनान को लेकर पैदा हुआ विवाद है। अमेरिका और ईरान

के बीच हुए अंतिम शांति समझौते में क्षेत्र के सभी मोर्चों पर संघर्ष कम करने की बात शामिल थी। हालांकि इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में अपने सैन्य रिपोर्ट के अनुसार फैसला इतना लोट लिया गया कि वेंस का स्टाफ और पत्रकारों का समूह एयरबेस तक पहुंच चुका था। दूसरी तरफ व्हाइट हाउस के कई अधिकारी और विदेशी मीडिया प्रतिनिधि पहले से स्विट्जरलैंड में मौजूद थे। अचानक हुए इस बदलाव ने दोनों देशों के बीच आगे की बातचीत को लेकर नई अटकलें शुरू कर दी हैं।

रिपोटर्स के मुताबिक बातचीत टलने की सबसे बड़ी वजह लेबनान को लेकर पैदा हुआ विवाद है। अमेरिका और ईरान



और वार्ता को आगे बढ़ाने में मुश्किलें सामने आने लगीं। डोनाल्ड ट्रंप और इरानी नेतृत्व के बीच फ्रांस में हुए समझौते के बाद दोनों देशों ने युद्धविराम की दिशा में कदम बढ़ाया था। इसके तहत 19 जून से शर्तों और आगे की प्रक्रिया पर बातचीत शुरू होनी थी। हालांकि वार्ता रद्द होने से साफ

अमेरिका और ईरान के बीच जंग रोकने के लिए हुए ऐतिहासिक पीस डील के बाद दोनों देशों के बीच शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाली पहली औपचारिक बातचीत अचानक रद्द हो गई। यह फैसला इतना आखिरी समय पर लिया गया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की टीम, उनके साथ जाने वाले पत्रकार और कई अधिकारी यात्रा की तैयारी पूरी कर चुके थे।



विरोध प्रदर्शन में इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि ईरान प्रतीकात्मक विरोध के रूप में देखा जा रहा है। मार्च 2020 में कोरोना महामारी के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि वे शाम 5 बजे अपने घरों की बालकनी या छत पर खड़े होकर डॉक्टरों, नर्सों

और अन्य फ्रंटलाइन वर्कर्स के सम्मान में ताली, थाली और घंटियां बजाएं। अब उखड़ उसी प्रतीक को अपने

हो गया है कि समझौते के बावजूद कई संवेदनशील मुद्दे अभी भी बाकी हैं। क्षेत्रीय सुरक्षा, इजराइल-लेबनान संघर्ष और विभिन्न सैन्य गतिविधियां अभी भी शांति प्रक्रिया के सामने चुनौती बनी हुई हैं।

पीस डील के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल और गैस जहाजों की आवाजाही फिर से तेज होने लगी है। कई बड़े तेल टैंकर इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से सुरक्षित गुजर चुके हैं, जिससे ग्लोबल एनर्जी मार्केट को राहत मिली है। लेकिन दूसरी ओर लेबनान में इजराइली हमले जारी हैं। हालिया हमलों में तीन लोगों की मौत की खबर है। ऐसे में एक तरफ समुद्री व्यापार सामान्य होने लगा है, जबकि दूसरी तरफ क्षेत्रीय संघर्ष अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।



## देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही गरवी गुजरात हिंदी चैनल देखिये

# सम्पादकीय

## यूएस के लक्ष्य पूरा होने पर संदेह

करीब 4 महीने तक चले अमेरिका-ईरान के युद्ध के बाद समझौते पर सहमति बनी है। इस चार महीने चले संघर्ष में कौन जीता, कौन हारा? हमें तो लगता है कि इस युद्ध में ईरान की भव्य जीत हुई है। यह हम इसलिए कह रहे हैं कि जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका-इजरायल ने मिलकर 28 फरवरी को युद्ध शुरू किया था उसमें से कोई भी उद्देश्य वह पूरा नहीं कर सका और अंत में तेरे वृत्ते से हम बे-आबरू होकर निकले। अमेरिका- इजरायल ने अपने पहले ही हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई को शहीद कर दिया। उसी दिन ट्रंप ने कहा- ईरान के महान लोगों, आपकी आजादी का समय आ गया है.. जब हम अपना काम पूरा कर देंगे तो आप अपनी सरकार पर कब्जा कर लीजिए यानी हम रेजीम चेंज कर देंगे। ताकि ईरान में वह रेजीम बदल सके? एक उद्देश्य था ईरान के परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल कार्यक्रम को समाप्त करना। इसमें ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम पर भी कब्जा करना था या उसे खत्म करना था। न तो ईरान में रेजीम चेंज हो सकी, न परमाणु कार्यक्रम बंद हुआ और न ही मिसाइल कार्यक्रम पर पाबंदी ही लगा सके। अब बात करते हैं होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की। पहली बात तो 28 फरवरी से पहले होर्मुज खुला हुआ था कभी भी बंद नहीं था। उल्टा आपने ईरान को एक ऐसा हथियार दे दिया जिसके बारे में उसने पहले कभी भी नहीं सोचा होगा। अब ईरान और ओमान मिलकर होर्मुज स्ट्रेट को अपनी मिलितकृत मान रहे हैं और हर गुजरते जहाज से सर्विस चार्ज ले रहे हैं। यह थे प्रमुख उद्देश्य जिनको लेकर अमेरिका-इजरायल ने 28 फरवरी से हमले शुरू किए थे। अब ट्रंप खुद देख सकते हैं कि इनकी प्रवृत्ति में इन्हें कितनी सफलता मिली। ईरान की मुकम्मल जीत हुई। अब बात करते हैं अमेरिका को इस अभियान की कितनी भारी कीमत उठानी पड़ी। उनके गल्फ राष्ट्रों में 14 बेस तबाह हो गए। 40 से ज्यादा लड़ावू विमान नष्ट या डेमैज हो गए, राडार और एयर डिफेंस सिस्टम तबाह हो गए। अमेरिका ने ईरान जंग में अब तक 113 बिलियन डॉलर यानी 10 लाख करोड़ रुपए स्वाह कर दिए। ऐसा नहीं कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी नहीं पड़ी। ईरान सरकार के मुताबिक हमलों के पहले 40 दिनों में उन्हें 270 बिलियन डॉलर यानी करीब 25 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। 1 लाख 22 हजार इमारतें तबाह हुई हैं। 13 अप्रैल 2026 तक ईरान के 307 अस्पताल बर्बाद हुए। दवाओं की कीमतें 50 प्रतिशत तक बढ़ गईं, जिससे 60 लाख से ज्यादा मरीज प्रभावित हुए। मिनार के बच्चों के स्कूल पर सीधा हमला हुआ जिसमें 160 से ज्यादा लोग मारे गए जिनमें 130 से ज्यादा छोटी बच्चियां शहीद हुईं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत दर्जनों टाप के लीडरशिप शहीद हो गए। इस लड़ाई में गल्फ के अन्य देश भी इसकी चपेट में आ गए। यूएई, कतर, सउदी, बहरीन, इराक इत्यादि बीच में पंस गए। इस जंग में निर्दोष लोगों को भी भारी कीमत चुकानी पड़ी। अनुमान है कि जंग में 7000 से ज्यादा निर्दोष सैनिक मारे गए और 40 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए। ईरान ने साबित कर दिया कि वे अमेरिका-इजरायल के सामने झुकने वाला नहीं है। ट्रंप बड़े गर्व से कह रहे हैं कि अब ईरान परमाणु बम कभी नहीं बना सकेगा। उन्हें हम याद करवाना चाहते हैं कि ईरान ने कभी परमाणु बम बना ही नहीं था। शहीद अयातुल्लाह अली खामेनेई ने बकायदा एक फतवा जारी किया था कि इस्लाम में ऐसा हथियार बनाना मना है जिसमें निर्दोष लोग मारे जाएं। ट्रंप अब अपनी जीत दिखाते के चलते ही वुछ भी कहें पर सारी दुनिया जानती है कि आप की हार हुई है। आपने अमेरिका की अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धा को धक्का पहुंचाया है और आप बड़े बे-आबरू होकर ईरान के वृत्ते से निकले हैं।

कौन हैं इवाना नॉल ? फीफा से वायरल हुई  
क्रोएशियाई मॉडल की तस्वीरें, फैस हुए दीवाने

(जीएनएस)।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में जहाँ मैदान पर इंग्लैंड और क्रोएशिया के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। वहीं स्टेडियम के स्टैंड्स में एक बार फिर क्रोएशिया की मशहूर 'सुपरफैन' इवाना नॉल ने सारी लाइमलाइट अपनी ओर खींच ली। अपनी बोल्ड और ग्लैमरस मौजूदगी के लिए पहचानी जाने वाली इवाना की तस्वीरें और वीडियो मैच शुरू होने से पहले ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगे।

**इवाना नॉल को ऐसे मिली थी पहचान**

33 वर्षीय इवाना नॉल को पहली बार वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान साल 2022 के कतर फीफा वर्ल्ड कप के दौरान मिली थी। उस टूर्नामेंट में अपने अनूठे ड्रेसिंग सेंस और स्टाइल के कारण वे रातोरात इंटरनेट सनसल बन गई थीं। सोशल मीडिया स्टार होने

के साथ-साथ इवाना पेशेवर रूप से मॉडलिंग करती हैं और एक प्रसिद्ध



डीजे के तौर पर भी काम कर रही हैं। वर्तमान में इस्टाग्राम पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं।

**बन गई हैं वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी फैन**

इंटरनेशनल मीडिया और फुटबॉल प्रशंसकों के बीच इस समय वे 'वर्ल्ड

ट्रंप को लगा झटका! गद्दी से हटने के 10 साल बाद भी ओबामा सबसे लोकप्रिय, सर्वे में दावा

एएअमेरिका की राजनीति में भले ही आज डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन सबसे बड़े चेहरे हों, लेकिन लोगों के दिलों में अब भी बराक ओबामा की जगह सबसे ऊपर बनी हुई है। उठठ और रसम के नए सवें ने यह साफ कर दिया है कि राष्ट्रपति पद छोड़े करीब 10 साल बाद भी ओबामा की लोकप्रियता में कोई बड़ी कमी नहीं आई है।

दिलचस्प बात यह है कि ओबामा को सिर्फ डेमोक्रेटिक वोटर्स ही नहीं, बल्कि एक रिपब्लिकन और रॉइंगेस्ट वोटर्स भी पसंद करते हैं। यही वजह है कि एक बार फिर अमेरिका में ओबामा की चर्चा तेज हो गई है।

सर्वे में ओबामा सबसे आगे, **ट्रंप-बाइडेन काफ़ी पीछे**

CNN-SSRS सर्वे के मुताबिक 57 फीसदी अमेरिकी नागरिक बराक ओबामा को पॉजिटिव नजर से देखते हैं। इसके मुकाबले मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सिर्फ 34 फीसदी और पूर्व राष्ट्रपति जो सी 30

की इमेज मजबूत बनी हुई है। अमेरिकी जनता का बड़ा वर्ग आज भी उन्हें एक भरोसेमंद और प्रभावशाली नेता के रूप में देखता है।

**सिर्फ डेमोक्रेट नहीं, रिपब्लिकन भी करते हैं पसंद**

सर्वे की सबसे खास बात यह रही कि ओबामा को सिर्फ उनकी पार्टी के समर्थकों का ही नहीं, बल्कि दूसरी विचारधारा के लोगों का भी समर्थन मिला। लगभग हर पांच में से एक रिपब्लिकन वोटर ने भी ओबामा को पॉजिटिव रेटिंग दी। वहीं किसी भी

## कोलकाता नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बिजली गिरने से इंडिगो फ्लाइट क्षतिग्रस्त, 140 यात्री मौत के मुंह से कैसे लौटे?

(जीएनएस)। कोलकाता नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार (19 जून) सुबह एक भयानक घटना घटी। अगरतला जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ए 6068 पर बिजली गिर गई। विमान में 140 से अधिक यात्री सवार थे। विमान एयरोब्रिज 56छ पर खड़ा था और बोर्डिंग पूरी हो चुकी थी। आंधी-तूफान और भारी बारिश के बीच हुई इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया।

गनीमत रही कि किसी यात्री को कोई चोट नहीं आया। हालांकि, इंडिगो के दो ग्राउंड स्टाफ सदस्य बिजली गिरने से प्रभावित हुए, जिनमें अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। यात्रियों को बाद में दूसरे विमान से अगरतला रवाना किया गया। यह घटना 12 जून 2025 को हुए अहमदाबाद विमान दुर्घटना (260 मौतें) की याद ताजा कर रही है, लेकिन कोलकाता में समय रहते बचाव हो गया।

घटना कैसे हुई?

भारतीय विमानन प्राधिकरण

योग बढ़ा सकता है उम्र? बेंगलुरु के क्रिस्टु जयंती यूनिवर्सिटी में मिला फिट रहने के राज

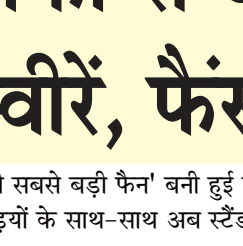
अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) से पहले बेंगलुरु स्थित क्रिस्टु ज्यंती (डोम्ब टू वी यूनिवर्सिटी) में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बेंगलुरु के क्रिस्टु ज्यंती विश्वविद्यालय में आने वाले 12वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। यूनिवर्सिटी ने श्री श्री स्कूल ऑफ योगा और 'द आर्ट ऑफ लिविंग' के साथ मिलकर एक योग और सेहत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सोलज में कार्यक्रम की थीम 'स्वस्थ बुद्धि के लिए योग' रखी गई है। यूनिवर्सिटी कैंपस में सेंटर फॉर योग एंड वेलेनेस और जयंतियन एक्सटेंशन सॉलिसिज ने मिलकर यह कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें छात्रों, शिक्षकों और योग प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का मकसद था

# फीफा से वायरल हुई तस्वीरें, फैसल हुए दीवाने

कप की सबसे बड़ी फैन' बनी हुई हैं। खिलाड़ियों के साथ-साथ अब स्टैंड्स

कारण बनती है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरें

इस मुकाबले से ठीक पहले इवान ने क्रोएशियाई टीम की थीम पर आधारित परिधान में एक डीजे परफॉर्मेंस भी दी, जिसे उनके फैसले खूब पसंद किया। इंग्लैंड के खिलाफ मैच के दौरान इवाना क्रोएशिया की पारंपरिक लाल और सफेद चेकड थीम वाले डीप-नेक टॉप में नज़र आईं। स्टैंड्स में फैसला अभिवादन करते हुए और हाथों से 'हार्ट शेप' (दिल का आकार) बनाकर खिंचवाई गई उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही हैं। फैसल कमेंट्स में उन्हें 'वर्ल्ड की सबसे हॉट फुटबॉल फैन' बता रहे हैं, तो कुछ यूजर्स ने मजाकिया लहजे में लिखा कि उनकी उपस्थिति से मैदान पर खिलाड़ियों का ध्यान भी भटक सकता है।



टटरनेट पर भारी ट्रैफिक और चर्चा का

# दी से हटने के 10 साल

## लोकप्रिय, सर्वे में दावा

पाटी से खुद को न जोड़ने वाले  
इंडिपेंडेंट वोटर्स के बीच भी उनकी  
लोकप्रियता ट्रंप और बाइडेन दोनों से

**गामा  
ए-1,  
केल?**



काफी ज्यादा है। यही वजह है कि  
ओबामा आज भी अमेरिका की  
राजनीति में एक अलग पहचान रखते  
हैं।

**व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद  
और मजबूत हुई इमेज**

बराक ओबामा के दूसरे कार्यकाल  
के दौरान उन्हें लेकर लोगों की राय  
काफी बंटी हुई थी। लेकिन व्हाइट  
हाउस छोड़ने के बाद उनकी पब्लिक  
इमेज लगातार बेहतर होती गई। पिछले  
छह वर्षों में उन्होंने खुद को विवादों से  
काफी हद तक दूर रखा और

सामाजिक मुद्दों पर अपनी मौजूदगी  
बनाए रखी। इसका असर उनकी  
लोकप्रियता पर साफ दिखता देता  
है। सर्वे बताता है कि समय बीतने  
के साथ लोगों की नजर में ओबामा  
की छवि और मजबूत हुई है।

**सबसे पसंदीदा राष्ट्रपति की  
रेस में भी नंबर-1**

जब लोगों से पूछा गया कि वे  
सबसे ज्यादा किस अमेरिकी  
राष्ट्रपति की सराहना करते हैं, तो  
भी बराक ओबामा पहले नंबर पर  
रहे। 30 फीसदी लोगों ने उनका  
नाम लिया, जबकि डोनाल्ड ट्रंप  
की 19 फीसदी लोगों ने चुना।  
इसके अलावा अब्राहम लिंकन  
और रोनाल्ड रीगन की 9-10  
फीसदी, जॉन एफ. केनेडी की 6  
फीसदी और जॉर्ज वॉशिंगटन की 5  
फीसदी लोगों ने पसंदीदा राष्ट्रपति  
बताया। नतीजे साफ बताते हैं कि  
ओबामा आज भी अमेरिकी राजनीति  
के सबसे लोकप्रिय जीवित नेता बन  
हुए हैं।

यात्रियों को TrOvel Ôdviso१८ जारी की- 'कोलकाता में खराब मौसम के कारण उड़ानों का शेड्यूल प्रभावित हो



हा है। हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

घटना के तुरंत बाद सभी 140+ यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया। किसी को चोट नहीं आई। विमान को उड़ान के लिए अनुपयुक्त घोषित किया गया। यात्रियों को दूसरे विमान में शिफ्ट कर आरतला भेजा गया।

**इंडिगो और AAJ ने क्या कहा ?**

इंडिगो ने यात्री सहायता के लिए टीम तैनात की। एयरलाइन ने वेबसाइट और ऐप पर फ्लाइट स्टेटस चेक करने की सलाह दी। अअक ने खतरनाक ?

आधुनिक विमान , जो इंडिगो के बेड़े में मुख्य हैं) बिजली गिरने से बचाव के लिए Faraday Cage डिजाइन किए जाते हैं। बिजली बाहरी धारा संरचना से गुजरती है और अंदर के यात्री/सिस्टम प्रभावित नहीं होते। लेकिन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, राडार नेविगेशन और इंजन कंट्रोल क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। ग्राउंड स्टाफ और एयरोब्रिज पर मौजूद लोग ज्यादा जोखिम में होते हैं। कोलकाता जैसे घटना में विमान खड़ा होने के कारण

कि बढ़ती उम्र के साथ शरीर और मन रखने का एक विज्ञान है। आज की नई सोच को कैसे तंदुरुस्त, एक्टिव और रिसर्च भी इस बात को मानती हैं। संतुलित रखा जाए। एक्सपर्ट्स ने बताया कि उम्र बढ़ने



|                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p><u>और वैज्ञानिक पहलू</u></p> <p>इस कार्यक्रम में श्री श्री स्कूल ऑफ योगा की सीईओ और डायरेक्टर वसंती एस. अय्यर और कॉर्पोरेट व सरकारी योग कार्यक्रम विभाग के हेड रुद्रेश कुमार सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे। एक्सपर्ट्स ने बताया कि योग सिर्फ एक शारीरिक कसरत नहीं है, बल्कि यह पूरी सेहत को ठीक</p> | <p>मानसिक तनाव जैसी दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में बीमापयोगों से बचने और खुद को फिट रखने के लिए योग बहुत मददगार साबित होता है। योग शरीर का लचीलापन और बैलेंस सुधारता है, साथ ही मन को मजबूत और सकारात्मक बनाता है।</p> <p>एक साथ योग का अभ्यास और युवाओं की भागीदारी</p> |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

श्रीसंत ने दी पीटने की धमकी  
जवाब, ऐसा क्या कहा जिस

(जीएनएस)।  
पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस. श्रीरंत और रिंगिंग सिमरन हरभजन सिंह के बीच 18 साल पुराना 'स्लैपगेट' विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। हाल ही में लल्लनटॉप को दिए एक इंटरव्यू में श्रीरंत ने 2008 में हुए विवाद का जिक्र करते हुए हरभजन सिंह पर निशाना साधा था। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर हरभजन में हिम्मत है तो वह उनके साथ बॉक्सिंग रिंग में उतरकर आमने-सामने मुकाबला करें।

श्रीसंत की नाराजगी की वजह  
हाल ही में आया एक विज्ञापन बताया  
जा रहा है। दरअसल हरभजन सिंह ने  
एक विज्ञापन में स्लैपगेट विवाद का  
संदर्भ इस्तेमाल किया था। श्रीसंत को  
नहीं है। इसी मुद्दे पर बोलते हुए  
उन्होंने हरभजन को खुली चुनौती दे  
डाली।

**नीरज चोपड़ा की धमाकेदार वापसी, डायमंड लीग पर रहकर भी हासिल किया कॉमनवेल्थ (जीएनएस)।**

भारत के स्टार एथलीट और दोहरे ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने चोट की एक लंबी समयवाधि के बाद अंतरराष्ट्रीय ट्रैक एंड फील्ड पर एक बार फिर से बेहद शानदार वापसी की है। दोहा में आयोजित डायमंड लीग के दौरान उन्होंने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों के खिलाफ मैदान पर अपना पूरा दमखम दिखाया और चौथे स्थान पर रहे। इसके साथ ही नीरज ने कॉमनवेल्थ गेम्स के खिलाफाई कर लिया है।

पीठ की चोट से उबरने के बाद अपने सीजन के इस बेहद प्रतीक्षित और पहले मुकाबले में नीरज चोपड़ा ने तकनीकी चुनौतियों का डटकर सामना किया। प्रतियोगिता के दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 85.69 मीटर था।



यात्री बच गए।

विश्व में हर साल औसतन 1-2 विमानों पर बिजली गिरने की खबर सामने आती है, लेकिन मौतें बहुत कम होती हैं। फिर भी, खराब मौसम में उड़ान प्रबंधन बेहद महत्वपूर्ण है।

Ahmedabad Plane Crash:  
अहमदाबाद दुर्घटना की याद ताजा

इस घटना ने 12 जून 2025 की अहमदाबाद विमान दुर्घटना की याद ताजा कर दी, जिसमें 260 लोगों की जान चली गई थी। कोलकाता में गनीमत रही कि सिर्फ तकनीकी क्षति हुई और जान-माल का नुकसान टल गया।

**मौसम और हवाई सुरक्षा पर उठे सवाल ?**

कोलकाता में मानसून पूर्व की आंधी-तूफान आम हैं, लेकिन हाल के वर्षों में तीव्रता बढ़ी है। विशेषज्ञों का कहना है कि हवाई अड्डों को मौसम चेतावनी पर ज्यादा सख्ती से अमल करना चाहिए। बोर्डिंग के दौरान खराब मौसम में विमान को शेल्टर में ले जाना चाहिए। ग्राउंड स्टाफ की सुरक्षा के लिए बेहतर प्रोटोकॉल जरूरी। इंडिया भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है,

जो रोजाना सैकड़ों उड़ानें संचालित करती है। इस घटना के बाद एयरलाइन की सुरक्षा प्रक्रियाओं की जांच हो सकती है।

**यात्री बोले- घबराहट हो रही थी**

यात्रियों ने बताया कि अचानक तेज आवाज हुई और लाइटें चली गईं। कुछ देर तक घबराहट रही, लेकिन कू मेंबर्स ने शांति बनाए रखी। सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। बाद में दूसरी फ्लाइट से उन्हें गंतव्य पहुंचाया गया।

कोलकाता हवाई अड्डे की यह घटना विमानन सुरक्षा के लिए चेतावनी है। भले ही यात्री बच गए, लेकिन दो ग्राउंड स्टाफ सदस्यों का प्रभावित होना गंभीर मुद्दा है। भारतीय विमानन प्राधिकरण और एयरलाइंस को इस घटना से सीख लेते हुए प्रोटोकॉल मजबूत करने चाहिए। यात्रियों की सुरक्षा सबसे ऊपर है। कोलकाता घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रकृति के सामने इंसान कितना छोटा है, लेकिन सही तैयारी और त्वरित कार्रवाई से बड़ी सड़दी को रोक जा सकता है।

इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण एक साथ योग का अभ्यास करना रहा। इसमें सभी लोगों ने योग गुरुओं की देखरेख में आसन योग आसनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। इस दौरान जोर दिया गया कि योग केवल बुजुर्गों के लिए ही नहीं, बल्कि एक के युवाओं के लिए भी बेहद जरूरी है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, युवाओं को शुरूआत से ही योग को अपनी रोज की आदत बना लेना चाहिए। इससे वे आगे चलकर खराब लाइफस्टाइल की वजह से होने वाली बीमारियों से बच सकते हैं। योगाभ्यास के दौरान सांस लेने के सही तरीकों (प्राणायाम) और ध्यान लगाने पर खासा ध्यान दिया गया, जो आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मन की शांति पाने का बेहतरीन जरिया है।

‘वन अर्थ, वन हेल्थ’ से मिला दुनिया को संदेश

यह आयोजन 21 जून को मनाए जाने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले की गई एक बड़ी पहल है।

इस साल का ग्लोबल मैसेंज ‘योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ’ (एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योग) है। यह थीम ‘वसुधैव कुटुम्बकम्’ (पूरी दुनिया एक परिवार है) की भारतीय भावना की दशाती है, जिसमें सभी लोगों की भलाई की बात कही गई है।

क्रिस्टू जयंती यूनिवर्सिटी और श्री श्री स्कूल ऑफ योग की इस कोशिश ने पुरानी भारतीय परंपराओं को आज की लाइफस्टाइल से जोड़ने का एक नया उदाहरण पेश किया है। आज जब पूरी दुनिया में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है, तब बीमारियों से बचने के लिए योग की मांग और लोकप्रियता दुनियाभर में काफी बढ़ गई है।

योग केवल एक दिन करने की चीज नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। बैंगलुरु के इस कार्यक्रम ने साफ कर दिया कि रोज योग करने से एक सेहतमंद समाज बनाया जा सकता है। यह पहल लोगों को अपनी सेहत के प्रति जागरूक करने और बुढ़ापे की मुश्किलों को आसान और स्वस्थ बनाने के लिए प्रेरित करती है।

## तो हरभजन सिंह का मुंह तोड़ नी पूरे भारत में हो रही चर्चा?

अब श्रीसंत के इन बयानों पर हमेशा खाली बर्तन ही आवाज करते हरभजन सिंह ने भी प्रतिक्रिया दी है। हैं।"

हरभजन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट हालांकि हरभजन ने वीडियो में पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें श्रीसंत का नाम नहीं लिया, लेकिन



उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा, "किसी ने खूब कहा है कि करने दो लोग बकवास करते हैं, डलीग में चौथे स्थान गेम्स का टिकट का रहा, जिसने उन्हें कड़े मुकाबले के बीच अंक तालिका में चौथे स्थान पर ला खड़ा किया।

**कॉमनवेल्थ गेम्स में मिली जगह**

भले ही नीरज चोपड़ा इस प्रतियोगिता में शीर्ष तीन स्थानों में जगह बनाकर मेडल जीतने से चूक गए हों, लेकिन उन्होंने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा निर्धारित मानकों को आसानी से हासिल कर लिया। उन्होंने आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए तय की गई 82.61 मीटर की अनिवार्य क्वालिफिकेशन दूरी को अपने शानदार थ्रो से बहुत पीछे छोड़ दिया।

विवाद हो गया था। मैच समाप्त होने के बाद श्रीसंत कैमरे के सामने रोते हुए नजर आए थे और आरोप लगाया था कि हरभजन ने उन्हें थपड़ मारा था। इस घटना ने भारतीय क्रिकेट में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था।

विवाद के बाद हरभजन सिंह पर प्रतिबंध लगाया गया था। समय के साथ मामला शांत जरूर हो गया, लेकिन दोनों खिलाड़ियों के बीच इस घटना को लेकर कड़वाहट पूरी तरह खत्म नहीं हुई।

**भज्जी के जवाब से विवाद फिर से होगा तेज ?**

अब लल्लनटॉप इंटरव्यू में श्रीसंत की चुनौती, विज्ञापन को लेकर उनकी नाराजगी और उसके बाद हरभजन सिंह के सोशल मीडिया वीडियो ने एक बार फिर इस घुराने विवाद को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। ऐसे में फैसल की नजर इस बात पर टिकी रहेगी कि क्या यह जुबानी जंग यहीं थमेगी या आने वाले दिनों में दोनों खिलाड़ियों के बीच बयानबाजी और नेट होगी।

# बिहार वाला ठेकुआ विदेश ले गए थे पीएम मोदी, स्लोवाकिया के राष्ट्रपति को दिया गिफ्ट

(जीएनएस)।  
पटना: बिहार का खास व्यंजन, महापर्व छठ का प्रसाद अब सिर्फ बिहार यूपी और भारत का व्यंजन नहीं रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो विदेश में भी इसका डंका बजा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्लोवाकिया के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने भारत के तोहफों की पीटली से ठेकुआ निकाला। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारत की मेलोडी टॉफी भेंट की थी।  
बिहार का ठेकुआ बना विदेशियों का गिफ्ट  
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्लोवाकिया के दौरे पर कई उपहार साथ ले गए थे। उपहारों में ब्रास डोकरा एंटेलोप सेट, जीआई-टैग प्राप्त हिमरू सिल्क टाई एवं पॉकेट स्क्वायर, राजस्थान की पारंपरिक कोथेवा कला से बने कफ़लैक्स, आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथ चरक संहिता और सुश्रुत संहिता थी।



की सांस्कृतिक पहचान ठेकुआ भी शामिल की गई।  
पीएम नरेंद्र मोदी ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति और संसद के स्पीकर को

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, शिल्प और ज्ञान परंपरा से जुड़े विशेष उपहार भेंट किए। इसी दौरान उन्होंने ठेकुआ तो बिहार की शान है, महापर्व छठ की जान है प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्लोवाकिया के राष्ट्रपति और संसद स्पीकर रिचर्ड राशि को दिया गया उपहार ठेकुआ बिहार और झारखंड राज्यों का एक पारंपरिक मीठा नाश्ता है। इसे गेहूं के आटे, गुड़ या चीनी, सौंफ और घी से बनाया जाता है। इसे विशेष रूप से त्योहारों के दौरान, विशेषकर छठ पूजा के दौरान तैयार किया जाता है। अपनी सरल सामग्री, लंबे समय तक खराब न होने और घर जैसे स्वाद के लिए प्रसिद्ध ठेकुआ सांस्कृतिक परंपरा, उत्सवों के उत्साह और क्षेत्रीय पाक कला विरासत को दर्शाता है। इससे पहले पीएम मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारत में बनने वाली मेलोडी टॉफी का पैकेट गिफ्ट किया था।

## अयोध्या पुलिस ने लापता किशोरी को किया बरामद:आरोपी युवक गिरफ्तार, न्यायालय के आदेश पर भेजा गया जेल

(जीएनएस)।  
अयोध्या पुलिस ने इनायत नगर क्षेत्र से लापता हुई एक किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस किशोरी के बयान के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।  
जानकारी के अनुसार, थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी लापता हो गई है। पिता ने आरोप लगाया था कि पड़ोसी गांव का एक युवक उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।  
शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि किशोरी 12 जून को घर से लापता हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसने विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाश अभियान चलाया।  
जांच के दौरान पुलिस ने किशोरी और आरोपी युवक दोनों को बरामद कर लिया। दोनों को थाने लाने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया



## अयोध्या: सीएम योगी की सुरक्षा में बड़ी चूक, मुख्यमंत्री हैलीपैड के पास लगी भीषण आग, मचा हड़कंप

(जीएनएस)।  
अयोध्या, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरे के दौरान राम कथा पार्क स्थित हैलीपैड के समीप आग लगने की घटना से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। शुक्रवार को दोपहर लगभग 2 बजकर 40 मिनट पर अनुसार मुख्यमंत्री का हैलीकॉप्टर चौधरी चरण सिंह घाट के निकट बने हैलीपैड पर सुरक्षित उतर चुका था और वह सरयू अतिथि गृह के लिए रवाना हो चुके थे। इसी दौरान हैलीपैड के आसपास स्थित सूखी झाड़ियों में अचानक आग फैल गई।  
प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हैलीकॉप्टर लैंडिंग से पूर्व किए जाने वाले धुआं संकेत (स्मोक सिग्नल) के बाद तेज हवा के कारण चिंगारियां आसपास की सूखी घास और झाड़ियों तक पहुंच गईं, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। आग हैलीपैड से सटे क्षेत्र में



लगभग 15 मीटर तक फैल गई। इस

दौरान चर्चा है कि एक पाइप के सहारे आग बुझाने का प्रयास किया गया इसके बाद अग्निशमन विभाग ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया।

जेट्टी क्रूज लाइन के गार्ड अमित तिवारी ने भी अग्निशमन कर्मियों का सहयोग करते हुए पानी की पाइप और मोटर उपलब्ध कराई, जिससे आग पर शीघ्र नियंत्रण पाने में मदद मिली। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों ने संयुक्त प्रयास से कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर थी आग को फैलने से पहले नियंत्रित कर लिया गया। हालांकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल के समीप आग लगने की घटना को लेकर सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं।

सीएम के दौरे से चार घंटे धूप में भटकते रहे लोग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के दौरान शुक्रवार को सुरक्षा व्यवस्था ने काशीराम कॉलोनी और आसपास के इलाके की रफ्तार थाम दी। दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक कई मार्गों पर आवागमन प्रतिबंधित रहने से स्थानीय लोग, श्रद्धालु और ई-रिक्षा चालक तेज धूप में परेशान रहे। लोग गंतव्य तक पहुंचने के लिए रास्ते तलाशते रहे, जबकि कई को लंबा चक्कर लगाकर सफर पूरा करना पड़ा।

मुख्यमंत्री का शाम पांच बजे काशीराम कॉलोनी स्थित रामायण वैक्स प्लूयूम पहुंचने का कार्यक्रम था। इसके मद्देनजर काशीराम कॉलोनी की मुख्य मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। इसका सबसे अधिक असर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और रोजमर्रा की आवाजाही करने वाले लोगों पर पड़ा।

ई-रिक्षा चालकों को निर्धारित मार्ग बंद होने के कारण वैकल्पिक रास्तों से होकर गुजरना पड़ा। इससे यात्रियों को भी अतिरिक्त समय और किराया का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना रहा कि मार्ग बंदी की सूचना और वैकल्पिक व्यवस्था पहले से बेहतर तरीके से दी जाती तो परेशानी कम होती।

## नकली रेल टिकट बनाने वाला संगठित गिरोह सक्रिय, लखनऊ में RPF और क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच ने दो को पकड़ा

(जीएनएस)।  
लखनऊ। रेलवे के नकली तत्काल टिकट बनाकर यात्रियों को ठगने वाले एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच शाखा लखनऊ तथा रेलवे सुरक्षा बल गोमतीनगर की संयुक्त टीम ने गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पर 16336 रुपये के दो नकली तत्काल आरक्षित रेल टिकट के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दो अन्य की तलाश जारी है।  
निरीक्षक अपराध आसूचना शाखा, लखनऊ पूर्वोत्तर रेलवे रणजीत यादव ने बताया कि 18 जून को आरपीएफ अपराध आसूचना शाखा लखनऊ पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने गोमतीनगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर खड़ी पुष्पक एक्सप्रेस के कोच एम-5 में छापेमारी कर दो फर्जी आरक्षित रेल टिकट को बरामद किया। सीट संख्या 57 से 60 पर बैठे कलामुद्दीन खान तथा सीट संख्या 69 से 72 पर बैठे गब्बर खान से टिकट मांगे गए तो दोनों ने संदिग्ध टिकट प्रस्तुत किया। जिनकी प्रिंटिंग क्वालिटी घटिया एवं फर्जी पाई गई। रेलवे टिकट काला बाजारी एवं जालसाजी में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की भी पहचान



सीसीटीवी मनीज कुमार श्रीवास्तव ने भी टिकटों के फर्जी होने की पुष्टि की। इसके बाद ट्रेन के प्रस्थान करने से पहले दोनों यात्रियों को ट्रेन से उतारकर प्लेटफॉर्म पर लाया गया। पृष्ठताछ में दोनों ने टिकट दलालों से महंगे दामों पर टिकट खरीदने की बात स्वीकार की। दोनों टिकटों पर भारतीय रेलवे का लोगो, ढफर से जारी होने का विवरण एवं अन्य डिटेल्स अंकित थे, किंतु प्रिंटिंग संदिग्ध पाई गई। रेलवे

एवं गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।  
कलामुद्दीन खान पुत्र बरसाती खान, निवासी शंकरपुर लखमनपुर बहराइच और गब्बर खान पुत्र छोटे खान, निवासी थाना रामगांव, बहराइच को गिरफ्तार कर इनकी तलाशी ली गई, जिसमें कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। गिरफ्तारी की सूचना उनके परिवार के लोगों को दी गई। टिकट के दलाल बहराइच में कैसरगंज के मोहम्मद मजहर उर्फ

## यूपी में 2.99 करोड़ से अधिक डीएल जारी, लखनऊ आरटीओ ने बनाया रिकार्ड

(जीएनएस)।  
लखनऊ। परिवहन सेवाएं तेजी से डिजिटल हो रही हैं। आनलाइन व्यवस्था और फेसलेस सेवाओं के विस्तार से लोगों को अब आरटीओ कार्यालयों के चक्कर कम लगाने पड़ रहे हैं। प्रदेश में अब तक 2.99 करोड़ से अधिक ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) जारी किए जा चुके हैं, जिसमें लखनऊ आरटीओ 13.66 लाख लाइसेंस के साथ सबसे आगे है।  
प्रदेश में कुल 5.30 करोड़ से अधिक पंजीकृत वाहनों का रिकार्ड



अब डिजिटल माध्यम से संचालित भी लखनऊ का ट्रांसपोर्ट नगर किया जा रहा है। वाहन पंजीकरण में आरटीओ शीर्ष स्थान पर है। परिवहन

## अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला गंभीर घायल:अयोध्या-बस्ती हाईवे पर मां-बेटे को मारी टक्कर, ट्रॉमा सेंटर रेफर

(जीएनएस)।  
अयोध्या-बस्ती हाईवे पर एक अज्ञात लग्जरी वाहन ने मोटरसाइकिल सवार मां-बेटे को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिसे अयोध्या के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।  
यह घटना छवनी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कवलपुर गांव के पास हुई। टक्कर इतनी



जोरदार थी कि महिला मोटरसाइकिल चिकित्सकों ने विमला देवी की

से गिरकर घायल हो गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमजोत पहुंचाया। वहां उसकी पहचान अयोध्या के तारुन थाना क्षेत्र के गयासपुर निवासी विमला देवी पत्नी मुन्नीलाल के रूप में हुई।

गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अयोध्या स्थित ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। बताया गया कि महिला अपने बेटे के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर हरेर्या की ओर जा रही थी। आगे चल रहे वाहन ने अचानक रफ्तार धीमी की, जिससे मोटरसाइकिल चालक ने ब्रेक लगाया और पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

## लखनऊ में किसान अपहरण मामले में पूर्व चौकी प्रभारी और CRPF दारोगा पर डकैती का मुकदमा, आरोपियों की तलाश जारी

(जीएनएस)।  
लखनऊ। चिनहट में किसान के अपहरण कर रकम हड़पने के मामले में पुलिस ने जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। अब इस प्रकरण में कमता चौकी के पूर्व प्रभारी मोहित, सीआरपीएफ के दारोगा जय प्रकाश समेत अन्य आरोपितों को भी डकैती के मुकदमे में शामिल कर लिया गया है। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए गाजीपुर समेत कई संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। जल्द गिरफ्तारी न होने पर फरार आरोपितों



पर इनाम घोषित किया जाएगा। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा

## मोहिना कुमारी बीजेपी के दिग्गज नेता की बहू, रीवा की राजकुमारी ने क्यों छोड़ी एक्टिंग?

(जीएनएस)।  
पूर्व टेलीविजन एक्ट्रेस और खूबसूरत राजकुमारी मोहिना कुमारी अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय रहती हैं, देखने में बेइतहा खूबसूरत मोहिना इन दिनों लोगों को आध्यात्मिक प्रवचन भी देते नजर आती हैं। आपको बता दें कि टीवी की ये रत्नमसर एक्ट्रेस एक बड़े सियासी घराने से ताल्लुक रखती हैं और उन्होंने शादी के बाद शो बिजनेस को अलविदा कह दिया लेकिन वो लोगों से सोशल मीडिया के जरिए जुड़ी हुई हैं।  
टीवी के दर्शक आज भी उन्हें 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की कीर्ति गोयनका सिंघानिया के रूप में पहचानते हैं आपको बता दें कि मोहिना कुमारी सिंह रीवा शाही घराने की राजकुमारी हैं, वो रीवा रियासत के आखिरी शासक महाराजा मार्टंड सिंह जुदेव बहादुर की पोती और महाराजा पुष्पराज सिंह की बेटी हैं।  
उन्हें अभिनय और डांस का बेहद



है दिवानी' जैसे कई प्रोजेक्ट्स में रेमो डिस्जूजा की अडिस्टैंट कोरियोग्राफर के तौर पर काम किया। उन्होंने 'दिल दोस्ती डांस' (2015) में सारा के किरदार से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की।  
'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से घर-घर लोकप्रिय हुई थी मोहिना वह 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के अलावा 'सिलसिला प्यार का' जैसे शो

में नजर आ चुकी हैं। वो ऋषि देव और गौरव वाधवा के साथ वो यूट्यूब चैनल 'रिमोवर व्लॉग्स' का भी हिस्सा रह चुकी हैं। 14 अक्टूबर 2019 को उन्होंने सुयश रावत से शादी की, जो भाजपा के कद्दावर नेता सतपाल महाराज के बेटे हैं। ये कपल दो बच्चों का माता-पिता है।  
शादी के बाद मैं एक्टिंग नहीं करूंगी: मोहिना कुमारी  
शादी से पहले ही एक इंटरव्यू में मोहिना कुमारी ने साफ कहा था कि 'वो मैरिज के बाद टीवी की दुनिया में वापसी नहीं करंगी क्योंकि वो अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को मिक्स नहीं करना चाहती हैं और इसी वजह से उन्होंने अपनी सगाई की बात भी लोगों को देर से बताई थी, जिससे की लोगों के बीच हो हल्ला ना हो।'आपको बता दें कि उन्होंने गोवा में 8 फरवरी 2018 को सुयश रावत से सगाई की थी, हालांकि दोनों की सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं।

ने बताया कि शुरुआत में मुकदमे में दो नामजद आरोपितों के खिलाफ लूट की धाराओं में कार्रवाई की गई थी। विवेचना के दौरान सामने आया कि घटना में पांच से अधिक लोग शामिल हैं। इसके बाद मुकदमे में डकैती की धारा जोड़ी गई। जांच में मिले साक्ष्यों और आरोपितों की भूमिका के आधार पर पूर्व चौकी प्रभारी मोहित, सीआरपीएफ दारोगा जय प्रकाश समेत अन्य लोगों की भी मुकदमे में शामिल कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, फरार आरोपित लगातार ठिकाने बदल रहे हैं और मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं, जिससे उनकी लोकेशन ट्रेस करने में दिक्कत आ रही है। इसके बावजूद पुलिस उनकी गतिविधियों, परिवारजन और करीबी लोगों पर नजर बनाए हुए है। साथ ही बैंक खातों और अन्य वित्तीय लेन-देन की भी निगरानी की जा रही है।  
थाना प्रभारी ने बताया कि मोहित वर्ष 2019 बैच का दारोगा है और मूल रूप से मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। उसकी और जय प्रकाश की तलाश में कई पुलिस टीमें लगाई गई हैं। दोनों की काल डिटेल भी खंगाली जा रही है और रिश्तेदारों से पृष्ठताछ की जा रही है।

चार लोग जा चुके हैं जेल  
पुलिस अब तक इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें गोरखपुर निवासी जावेद हुसैन, उसका साथी आसिफ, संतकबीरनगर निवासी प्रवेश निपाठी और राजस्थान निवासी सिपाही पूरन सिंह शामिल हैं। पृष्ठताछ में मिले तथ्यों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दो दिन पहले पूर्व चौकी प्रभारी मोहित का नाम भी मुकदमे में बढ़ाया था।

## प्रधानमंत्री मोदी ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी को डोकरा कलाकृति मृग और हिमरू सिल्क टाई जैसे दिए उपहार

(जीएनएस)।

फ्रांस और स्लोवाकिया की एक हफ्ते की यात्रा के बाद शुक्रवार को नई दिल्ली लौटे प्रधानमंत्री मोदी ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी को पीतल का डोकरा मृग सेट भेंट किया।हाथ से बनी ये कलाकृति भारत की प्राचीन डोकरा मेटल-कार्निटिंग परंपरा को दर्शाती है, जिसे छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आदिवासी कारीगर सदियों से बना रहे हैं।

हिरण की आकृतियां कोमलता, फुर्ती और प्रकृति के साथ तालमेल का प्रतीक हैं, जो स्लोवाकिया के 'टाट्रा शैमोइस' (एक तरह के पहाड़ी मृग) के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव को दर्शाती हैं; ये दोनों ही जानवर मुश्किल हालात में डटे रहने की क्षमता और अपने प्राकृतिक परिवेश के साथ गहरे जुड़ाव



के लिए जाने जाते हैं।प्रधानमंत्री ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति को औरंगाबाद की पारंपरिक बुनाई कला को दर्शाने वाला 'हिमरू' सिल्क टाई और पॉकेट स्क्वायर सेट भी भेंट किया।

सिल्क और कॉटन के मिश्रण से बनी 'हिमरू' अपनी दोनों तरफ

इस्तेमाल हो सकने वाली बुनाई मुलायम बनावट और हल्की चमक के लिए जानी जाती है। इसमें कपड़े पर ही बारीक फूलों और पैस्ले (बूटदार) डिजाइन की बुनाई की जाती है।इसे 'जियोग्राफिकल इंडिकेशन' (जीआई) टैग मिला है और छत्रपति संभाजीनगर जिले के लिए 'वन डिस्ट्रिक्ट वन

प्रोडक्ट' पहल में भी शामिल किया गया है। 'हिमरू' बुनाई एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आर्थिक विरासत वाली कला बनी हुई है।

स्लोवाकिया के राष्ट्रपति को राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले की पारंपरिक आभूषण कला को दर्शाने वाले, हाथ से बने 'थेवा' डिजाइन वाले कफलिंग भी भेंट किए गए।कारीगर परिवारों द्वारा सहेजकर रखी गई ये सदियों पुरानी कला, असाधारण कौशल और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है।जीआई टैग मिलने और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल में शामिल होने के कारण, 'थेवा' राजस्थान की बेहतरीन कारीगरी को प्रदर्शित करने वाली एक अनेखी और प्रतिष्ठित कला शैली बनी हुई है।

## नीट 2026 छात्रों के लिए खुशखबरी! 21 जून को गोरखपुर-लखनऊ के बीच चलेंगी 2 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें; यहां देखें पूरा टाइम टेबल

नीट 2026 में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए भारतीय रेलवे की ओर से एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है. त्योहारों और गर्मियों की छुट्टियों में भारी भीड़ को देखते हुए स्पेशल ट्रेनें चलाने के बाद, अब रेलवे ने नीट परीक्षा देने जा रहे छात्रों की सहूलियत के लिए परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है.

पूर्वोत्तर रेलवे (NER) लखनऊ मंडल 21 जून को गोरखपुर से लखनऊ के बीच स्पेशल ट्रेन चलाएगा, ताकि छात्रों को अपने परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो.

ट्रेनों में होंगे कुल 12 अनारक्षित कोच

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के जनसंपर्क अधिकारी (डफ्ट) महेश गुप्ता ने इस संदर्भ में बताया कि नीट परीक्षा के मद्देनजर आगामी 21 जून 2026 को गोरखपुर-लखनऊ-गोरखपुर के बीच कुल 2 जोड़ी अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी.

परीक्षार्थियों की भारी संख्या को देखते हुए इन गाड़ियों में ऋहट के 10 और रथफूके 2 कोचों सहित कुल 12 कोच लगाये जाएंगे. ये सभी कोच पूरी तरह से अनारक्षित श्रेणी के होंगे, जिससे छात्र बिना पूर्व आरक्षण के भी यात्रा कर सकेंगे.

## 'अयोध्या में नौ करोड़ की भूमि 55.47 करोड़ में ली गई', आप सांसद संजय सिंह ने जमीन खरीद को लेकर उठाए सवाल

आप सांसद संजय सिंह ने श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर अयोध्या में भूमि खरीद में अनियमितता का आरोप लगाया है।

(जीएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर भूमि खरीद में अनियमितता का आरोप लगाया है। दावा किया कि शाहनवाजपुर माझा की 117 बिस्वा (14,730 वर्गमीटर) जमीन, जिसकी